

महाविद्यालय में आज दिनांक 10-11-2024 को प्राचार्य कक्षा में JAAAC सम्बद्धता पर विचार करने के लिए IIRAR की एक निवृत्त निवृत्त बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे -

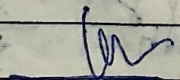
- (i) श्री एस. जे. मीना (प्राचार्य)
- (ii) डा. सत्यवती (सम-वपके)
- (iii) श्री एस. राज सुन्दर (सदस्य)
- (iv) श्री दीपेन्द्र सोलंकी (सदस्य)
- (v) डा. विवेक सिंह पाठ (सदस्य)
- (vi) श्रीमती सरिता (सदस्य)
- (vii) श्री राजेश उलास मन्ना (सदस्य)
- (viii) श्री सुभाष चन्द मीना (सदस्य)

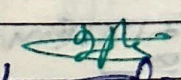
इस बैठक में महाविद्यालय में पुस्तकालय नामक सम्बद्धता से सम्बन्धित मुद्दा पर विचार-विमर्श किया गया। महाविद्यालय में कापालिका की सुसज्जा का होना आवश्यक है। कापालिका की सुसज्जा के लिए काइटर बनाए पर सहमत हुए तथा कापालिका के लिए आवश्यक फर्निचर बनाए यह भी विचार विमर्श हुआ। इसके साथ ही हाल कापालिका के समान उपखो में व्याप्त काइलिंग करके पर जोर दिया गया। कापालिका में काज रखे जाने के लिए कम्प्यूटराइजेशन पर भी विचार विमर्श किया गया। महाविद्यालय में कापालिका में रिक्त पदों पर योजन काज की निपुणता हेतु राज्य सरकार से निगूट करके का प्रस्ताव भी लिया गया।

JAAAC की सम्बद्धता के लिए महाविद्यालय में खेलकूद प्रतिभागिता के आयोजन हेतु कोषाध्यक्ष का बैठक केवलपत्र व जेकनि महाविद्यालय में प्रेषित

मुझे इसे से वाक्य भी जुड़ा प्रणम नितान्त
 मांसे रोड़ा जंगल विस्तार करने से निरप विनीत
 निवृत्तता मुल्य है जहाँ महाविद्यालय में पाठ
 उस मरुत है विनीत संसुपन। स निपाय ही शतः
 इस वेब में सभी सवालों ने खबर लोका पर
 राय कर्म, वक्त से सि राज्य सरकार से इसे
 मरुत है कि जात कर मू, पचास मिया जात
 ज्युटियु लाना स्थानीय नाताभाय को भी इस
 मय कूट प्रिया मरुत ज्युटियु । इसे लाना ही
 इस वेब में निपुणित खेल प्रशिक्षक (P.T.)
 भी मने निपुणित से निर राज्य सरकार से
 निपाय पर विचार मिया प्राप्ति जब तक राज्य
 सरकार से निपुणित खेल प्रशिक्षक की निपुणित
 बड़ी लोती तक तक स्थानीय स्तर पर विनायु लमिति
 से इसकी व्यवस्था करे पर सतपति पदान में

महाविद्यालय में छाडी रोहित से खबर खार है
 ररु कतिरिक्त मरुत को कीवृत्तता पर विद्या विमर
 मिया गया लाना इसके पचास सदुपयोग है निवृत्त
 साज लडजा जुयु पर भी विचार हुका । लकी
 उपनिषत सवालों ने खबर लोका प्रयुक्त माया
 की सतपति पदान की के-न न पर वेबक धरुक्त
 पतावे से माय लमपन इर


 (सतपति)


 (पचास)